Unit 03 . **आच्छादीय या त्वचा तंत्र विकार**

(Integumentary System Disorders)

Q. सोरायसिस क्या है? इसके कारण, लक्षण, निदान एवं उपचार लिखिए।

What is psoriasis? Write down its causes, symptoms, diagnosis and treatment.

उत्तर- सोरायसिस (Psoriasis) -

यह त्वचा में बार-बार अत्यधिक लाल, छोटे-छोटे चकत्ते पड़ने एवं इनकी ऊपरी सतह पर पपड़ी पड़ने की असामान्य स्थिति है।

कारण (Causes) - इसके निम्न कारण होते हैं-

- पारिवारिक इतिहास
- विशेष leukocyte antigen (HLA) की उपस्थिति
- प्रतिरक्षा विकार (Immunological disorder)
- अंत: स्रावी रोग (Endocrine disorder)

• भावनात्मक तनाव (Emotional stress)

• कुछ दवाओं के प्रति एलर्जी होना

लक्षण (Clinical Features)

• त्वचा पर सूखे पत्ते जैसी पपड़ी का निर्माण

• त्वचा पर खुजली होना

• त्वचा पर लाल चकते होना

• त्वचा में दर्द होना।

• Skin plaques हटने पर रक्तस्त्राव होना।

• कभी-कभी pustular psoriasis भी हो जाती है जिसमें त्वचा पर फफोले पड़ जाते हैं

निदान (Diagnosis) -

• Physical examination

• लक्षणों की उपस्थिति की जाँच

• Skin plaques examination

• Skin biopsy

• HLA antigen test

nursingguan.com

उपचार (Treatment)

1. इसका वास्तविक एवं सर्वदा सफल अपचार उपलब्ध नहीं है इससे बचाव के लिए जीवनशैली में परिवर्तन किए जाते हैं।

2. धूप से बचाव के लिए त्वचा पर petroleum jelly लगायी जाती है।

3. Psoriasis को नियंत्रण करने के लिए steroid cream या ointment apply की जाती है।

4. यदि त्वचा पर plaques है तो प्रभावित त्वचा पर anthralin ointment apply किया जाता है।

5. रोगी को hydroxyurea, methotrexate drugs भी दी जाती हैं।

नर्सिंग प्रबंधन (Nursing Management) -

1. रोगी को उपचार के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

2. रोगी को आरामदायक स्थिति में रखना चाहिए।

3. घाव से संक्रमण की संभावना रहती है इसलिए इनकी सफाई कर antiseptic ointment apply करना चाहिए।

4. रोगी के प्रश्नों का सकारात्मक एवं धैर्यपूर्वक जबाव देना चाहिए।

5. रोगी को सोरायसिस के प्रति आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करनी चाहिए।

Answer- Psoriasis –

It is characterized by frequent occurrence of extremely red,

nursingyan.com

small rashes on the skin and their upper. It is an unusual condition to have crusting on the surface.

Causes - It has the following reasons-

- family history
- Presence of specific leukocyte antigen (HLA)
- Immunological disorder
- Endocrine disorder
- Emotional stress
- being allergic to certain medicines

Clinical Features

- Formation of dry leaf-like scales on the skin.
- itchy skin
- skin rash
- Pain in the skin.
- Bleeding when skin plaques are removed.

Sometimes pustular psoriasis also occurs in which blisters appear on the skin.

nursinggyan.com

Diagnosis -

- Physical examination
- Checking for presence of symptoms
- Skin plaques examination
- Skin biopsy
- HLA antigen test

Treatment

1. Its real and always successful treatment is not available, to prevent it, changes in lifestyle are made.

2. Petroleum jelly is applied on the skin to protect from sunlight.

3. To control psoriasis, steroid cream or ointment is applied.

4. If there are plaques on the skin then anthralin ointment is applied on the affected skin.

5. Hydroxyurea, methotrexate drugs are also given to the patient.

nursingyan.com

Nursing Management -

1. The patient should be encouraged for treatment.

2. The patient should be kept in a comfortable position.

3. There is a possibility of infection from the wounds, hence they should be cleaned and antiseptic ointment should be applied.

4. The patient's questions should be answered positively and patiently.

5. The patient should be provided with necessary health education regarding psoriasis.

Q. **त्वचा प्रत्यारोपण को समझाइए।**

Describe the skin grafting.

उत्तर- त्वचा प्रत्यारोपण (Skin Grafting)

त्वचा प्रत्यारोपण एक उपचार है जिसमें शरीर में किसी स्थान पर त्वचा के नष्ट होने पर यहाँ स्वस्थ त्वचा का प्रत्यारोपण किया जाता है।

त्वचा प्रत्यारोपण के प्रकार (Types of Skin Grafting) - त्वचा का प्रत्यारोपण निम्न प्रकार हो सकता है-

• Split thickness skin grafting (STSG) -

nursinggyan.com

इसमें त्वचा की epidermis के साथ dermis का कुछ भाग का transplant किया जाता है।

• Full thickness skin grafting (FTSG)-

इसमें epidermis एवं complete dermis का प्रत्यारोपण किया जाता है।

• Composite Grafting

इसमें त्वचा की संपूर्ण परत (epidermis एवं dermis) के साथ नीचे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण किया जाता है।

त्वचा प्रत्यारोपण प्रक्रिया (Skin transplant procedure) -

त्वचा प्रत्यारोपण में निम्न चरण होते हैं-

1. दाता का चयन (Donar selection)-

इस चरण में विभिन्न immunological जांचें की जाती हैं एवं donar एवं recipient के मध्य समानता स्थापित होने पर ही donar से त्वचा प्राप्त की जाती है।

2. त्वचा का प्रत्यारोपण (Skin transplantation)

Donar के पेट या पैरों से skin removal के लिए dermatome उपकरण का उपयोग किया जाता है।

Dermatome द्वारा त्वचा की slice प्राप्त की जाती है एवं इन्हें सुरक्षित रखा जाता है।

nursingyan.com

Donar site पर आवश्यकतानुसार stiches या plasma का लेप किया जाता है।

Donar से प्राप्त त्वचा को उचित जगह पर प्रत्यारोपित कर दिया जाता है।

जटिलताएँ (Complications) त्वचा प्रत्यारोपण में निम्न जटिलताएँ हो सकती हैं-

• रक्तस्त्राव (Bleeding)

• संक्रमण (Infection)

• नष्ट होना (Graft skin)

• तंत्रिकीय क्षति (Nerve damage)

• त्वचा ग्रहण न करना (Skin graft rejection)

नर्सिंग प्रबंधन (Nursing Management) -

1. Donor site से त्वचा लेने पर यहाँ पुनः नई त्वचा विकसित होने में समय लगता है इसलिए इसकी उचित देखभाल की जानी चाहिए।

2. यदि आवश्यक हो तो चिकित्सक के निर्देशानुसार vacuum dressing की जाती है।

3. इस site पर रगड्न नहीं हो इसके लिए bed cradles का भी उपयोग किया जा सकता है।

4. Transplant site को घोड़ा ऊँचा रखना चाहिए जिससे रक्तस्राव की

nursingyan.com

संभावना कम हो जाती है।

5. यदि किसी प्रकार का रक्तस्राव हो या नीलापन हो तो तुरन्त चिकित्सक को सूचित करना चाहिए।

6. रोगी एवं दाता को संक्रमण से बचाने के लिए सदैव aseptic techniques का पालन करना चाहिए।

7. रोगी एवं दाता को चिकित्सक के निर्देशानुसार immunosuppressive drugs व I.V. fluids भी प्रदान करने चाहिए।

8. रोगी एवं दाता के जैविक चिन्हों (vital signs) की नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए।

Answer: When skin grafting is damaged, healthy skin is transplanted here. Skin transplantation is a treatment in which skin is grafted onto a new area of the body.

Types of Skin Grafting – Skin grafting can be of the following types:

• Split thickness skin grafting (STSG) - involves grafting part of the dermis along with the epidermis of the skin. is transplanted.

• Full thickness skin grafting (FTSG)- In this, epidermis and complete dermis are transplanted.

nursingyan.com

• Composite Grafting: In this, the entire layer of skin (epidermis and dermis) is transplanted along with the underlying tissues.

Skin transplant procedure – Skin transplant consists of the following steps-

1. Donor selection –

In this stage, various immunological tests are done and only after similarity is established between the donor and the recipient, skin is obtained from the donor.

2. Skin transplantation:

Dermatome equipment is used for skin removal from the donor's abdomen or legs.

Skin slices are obtained by Dermatome and kept safe. Stitches or plasma are applied on the donor site as per requirement.

The skin obtained from the donor is transplanted to the appropriate place.

Complications: Following complications may occur in skin transplantation-

nursinggyan.com

• Bleeding (Bleeding)

• Infection

• graft skin

• Nerve damage

• Skin graft rejection

Nursing Management -

1. After taking skin from the donor site, it takes time for new skin to grow again, hence it should be taken proper care of.

2. If necessary, vacuum dressing is done as per the instructions of the doctor.

3. Bed cradles can also be used to avoid rubbing on this site.

4. The transplant site should be kept elevated to reduce the possibility of bleeding.

5. If there is any kind of bleeding or blueness, the doctor should be informed immediately.

6. Aseptic techniques should always be followed to

nursingguan.com

protect the patient and donor from infection.

7. The patient and donor should be given immunosuppressive drugs and I.V. as per the doctor's instructions. Fluids should also be provided.

8. The vital signs of the patient and donor should be checked regularly.

Q. बर्न क्या है? बर्न का आकार या प्रतिशत निकालने के लिए रूल्स आफ नाइन समझाइए। गंभीर जले हुए घावों के लिए प्राथमिक उपचार लिखिए।

What is burn? Describe the rule of nine to calculate the percentage or size of burn. What is the first aid for severe burns?

उत्तर- जलना (Burn)

विद्युत प्रवाह, गर्म धातु, आग, जलता पैट्रोल, रासायनिक पदार्थ आदि के संपर्क में आने के कारण हुए घावों अथवा उत्तकों के नष्ट होने को जलना (burn) कहते हैं।

जलने की गंभीरता का वर्गीकरण

(Classification of Severity of Burn Injury) -

1. प्रथम श्रेणी अथवा ऊपरी तौर पर जलना (Superficial burn or first degree) -

nursingguan.com

इसमें त्वचा की केवल ऊपरी परत जलती है। त्वचा लाल, सूखी व सूज जाती है एवं दर्द होता है।

2. द्वितीय श्रेणी अथवा आंशिक गहराई वाले घाव (Partial thickness burns or second degree) -

इसमें बाहरी त्वचा जल जाती है। त्वचा लाल व सूज जाती है एवं फफोले पड़ जाते हैं।

3. तृतीय श्रेणी अथवा पूर्ण गहराई वाले घाव (Full thickness burns or third degree) -

इसमें बाहरी त्वचा के साथ-साथ आंतरिक ऊतक भी पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो जाते हैं जैसे- पेशियां, तत्रिका एवं अस्थि। त्वचा काली या भूरी पड़ जाती है। घावों को भरने में अधिक समय लगता है।

घाव का आकार (Size of Burn)-

जले हुए घाव का आकार द रूल ऑफ नाइन से निर्धारित किया जाता है।

इस नियम के अनुसार शरीर को नौ भागों में बांटा जाता है एवं प्रत्येक भाग एक निश्चित प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करना है जिसकी गणना से पता चलता है कि व्यक्ति कितने प्रतिशत जला है।

द रूल ऑफ नाइन (The Rule of Nine) -

nursingyan.com

	व्यस्क (Adult).	बालक (Child)
सिर एवं गर्दन (Head and Neck)	9%.	18%
धड़ (Trunk).	36%.	36%
भुजाएं (Hands).	18%.	18%
टांगे (Legs).	36%.	28%
मूलाधार (Perineum).	1%	
कुल.	100%.	100%

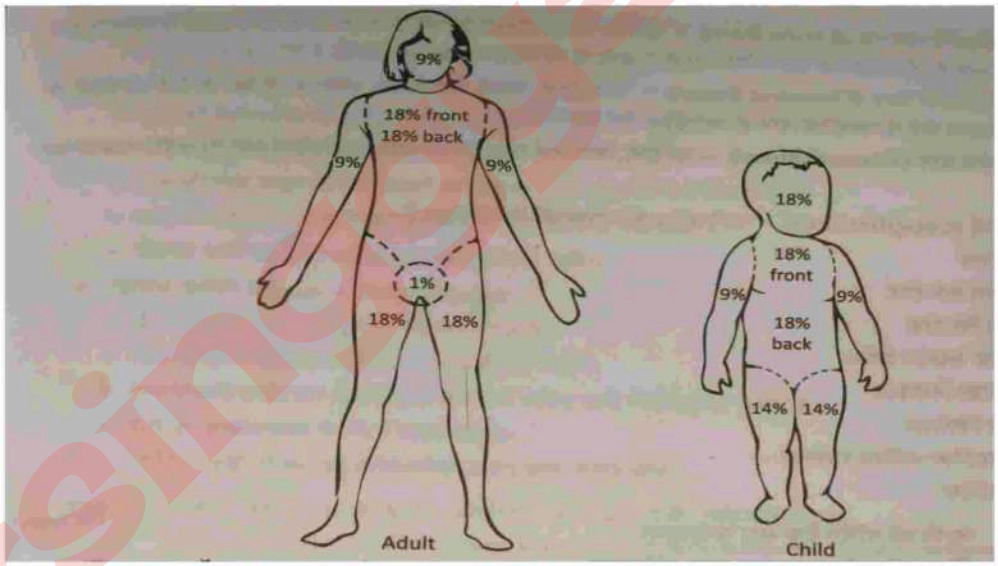

गंभीर जले हुए घावों के लिए प्राथमिक चिकित्सा (First Aid for Severe Burns)

1. घायल को दिलासा एवं सहारा दें।

2. घायल ने अगर अंगूठी, घड़ी, चूड़ी, जूते आदि पहन रखे हों तो ध्यानपूर्वक उतार दें।

nursingjan.com

3. जला हुआ भाग अगर गर्म है और दर्द हो तो उस पर ठंडा पानी डालें जब तक कि दर्द से राहत न हो।

4. जले हुए भाग पर अगर कपड़ें हों तो उसे उतारने की कोशिश न करें इससे त्वचा भी हट सकती है।

5. जले हुए भाग पर कुछ न रखें।

6. जले हुए भाग की विसंक्रमित ड्रेसिंग से पट्टी करें।

7. आघात का उपचार करें।

8. यदि घायल अचेत हो तो उसका वायु मार्ग खोलें एवं आवश्यक हो तो बचाव प्रणाली की ABC को पूरा करें। घायल को रिकवरी पोजिशन में रखें।

9. घायल को तुरंत प्राथमिक उपचार बनाते हुए अस्पताल में स्थानांतरित करें।

Answer- Burn: Wounds or destruction of tissues caused by coming in contact with electric current, hot metal, fire, burning petrol, chemical substances etc. are called burns.

Classification of Severity of Burn Injury -

1. First degree or superficial burn (Superficial burn or first degree) - In this only the upper layer of the skin gets burnt. The skin becomes red, dry, swollen and painful.

nursingguan.com

2. Second degree or partial depth burns (Partial thickness burns or second degree) - In this the outer skin gets burnt. The skin becomes red and swollen and blisters form.

3. Third degree or full depth burns (Full thickness burns or third degree) - In this, along with the outer skin, the internal tissues also get completely damaged like muscles, tendons and bones. The skin turns black or brown. Wounds take longer to heal.

Size of Burn – The size of the burn wound is determined by The Rule of Nine. According to this rule, the body is divided into nine parts and each part represents a certain percentage, the calculation of which shows what percentage the person is burnt.

The Rule of Nine -

	Adult.	Child
Head and Neck.	9%.	18%
Trunk.	36%.	36%.
Hands.	18%	18%
Legs.	36%	28%

nursingyan.com

Perineum.	1%	
Total.	100%.	100%

First Aid for Severe Burns

1. Provide comfort and support to the injured.

2. If the injured person is wearing a ring, watch, bangle, shoes etc., remove them carefully.

3. If the burnt area is hot and painful, pour cold water on it until the pain is relieved.

4. If there are clothes on the burnt area, do not try to remove them, it may remove the skin.

5. Do not keep anything on the burnt area.

6. Bandage the burnt area with a sterile dressing.

7. Treat the stroke.

8. If the injured is unconscious, open his airway and if necessary, complete the ABC of rescue system. Keep the injured in recovery position.

9. Immediately transfer the injured to the hospital by giving first aid.

nursingyan.com

Q. जलने के कारण व जटिलताएं क्या हैं? व नर्सिंग देखभाल को स्पष्ट कीजिए।

What are the causes and complications of burns? Explain nursing care of it.

उत्तर- कारण (Etiology) -

व्यक्ति निम्न कारणों से जल सकता है-

1. विद्युतीय घाव (Electrical Burn) -

विद्युतीय घाव विद्युत प्रवाह के संपर्क में आने से होते हैं। हाई वॉल्टेज पॉवर लाइनों व बिजली की नंगी व दोषपूर्ण तारों या विद्युत से चलने वाले उपकरणों में दोष होने के कारण इसके संपर्क में आने से विद्युतीय घाव हो जाते हैं।

2. विकिरण घाव (Radiation Burn) -

सूर्य की अल्ट्रा वॉयलट किरणों से शरीर को त्वचा व आंखों में विकिरण घाव हो जाते हैं। रेडियोएक्टिव पदार्थ जैसे- एक्स-रे आदि से भी विकिरण घाव हो जाते हैं।

3. रासायनिक घाव (Chemical Burns) -

रासायनिक पदार्थों जैसे तेजाब आदि के संपर्क में आने से तंतुओं के क्षतिग्रस्त होने से रसायनिक घाव हो जाते हैं।

4. तापीय घाव (Thermal Burns) -

गर्म द्रवों, आग, गर्म तरल पदार्थों आदि के संपर्क में आने पर तापीय घाव हो

nursingguru.com

जाते हैं।

जटिलताएँ (Complications) - जलने की प्रमुख जटितलाएँ निम्नलिखित हैं-

• एनीमिया

• मनोबल कम होना

• गुर्दीय विफलता

• व्यापक स्थानीय ईडीमा

• तीव्र रक्त विषाक्तता

• यकृत विफलता

• आमाशयिक-आत्रिक रक्तस्त्राव

• ब्रोंकाइटिस

Answer-Etiology – A person can burn due to the following reasons-

1. Electrical Burn – Electrical wounds occur due to contact with electric current. Electrical injuries can occur due to coming in contact with high voltage power lines, bare or faulty electrical wires or faulty electrical equipment.

nursinggyan.com

2. Radiation Burn – The ultraviolet rays of the sun cause radiation burns on the skin and eyes of the body. Radiation wounds can also be caused by radioactive substances like X-rays etc.

3. Chemical Burns - Chemical wounds occur due to damage to the fibers due to contact with chemical substances like acid etc.

4. Thermal Burns – Thermal wounds occur due to contact with hot liquids, fire, hot liquids etc.

Complications – Following are the major complications of burns –

- Anemia
- low morale
- renal failure
- widespread local edema
- acute blood poisoning
- Liver failure

nursingguan.com

• Gastrointestinal bleeding

• Bronchitis

Q. जलने की नर्सिंग देखभाल समझाइए।

Describe the nursing care of burns.

अथवा

70% बर्न की नर्सिंग देखभाल समझाइए।

Describe the nursing care of 70% burns.

उत्तर- नर्सिंग देखभाल (Nursing Care) -

1. आपातकालीन उपचार (Emergency Treatment)

• रोगी के जैविक चिह्न चैक करने चाहिए।

• रोगी के जलने के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

• रोगी के श्वॉसरोध को पहचानना चाहिए।

• O, थेरेपी प्रयोग करना।

• N.G. tube डालनी चाहिए।

• इन्ट्रावीनस तरल देना चाहिए।

• कैथेटर लगाना चाहिए।

nursingyan.com

2. पुर्नजलीकरण (Rehydration) -

रोगी को निर्जलीकरण से बचाने के लिए तुरंत I.V. fluids देने चाहिए। I.V. fluids की गणना निम्न प्रकार करनी चाहिए-

पार्कलैण्ड सूत्र (Parkland Formula) -

• प्रथम 24 घंटे में दिए जाने वाले द्रव की मात्रा = शरीर का जला भाग (प्रतिशत में) x 4 ml x शरीर का भार

• प्रथम 24 घंटे में द्रव की दी जाने वाली मात्रा में से आधी मात्रा शुरूआती 8 घंटे में बाकी आधी मात्रा शेष 16 घंटे में दी जानी चाहिए।

• अगले 24 घंटे में दिए जाने वाले द्रव की मात्रा शरीर का जला भाग (प्रतिशत में) x 0.5 ml x शरीर का भार

• इसमें से आधी मात्रा 8 घंटे में बाकी आधी मात्रा शेष 16 घंटे में दी जानी चाहिए।

3. संक्रमण से बचाव (To prevent infection) -

• रोगी को चिकित्सक के आदेशानुसार antibiotic दवाई देनी चाहिए।

nursingyan.com

• रोगी को टिटनेस का टीका लगाना चाहिए।

• घाव की ठीक प्रकार से सफाई करने के लिए पानी की धारा के नीचे रखा जाता है।

• घाव की विधिवत तरीके से मृत ऊतकों एवं त्वचा को हटा देना चाहिए।

• रोगी के घावों पर anti microbial क्रीम लगानी चाहिए।

4. सामान्य प्रबंधन (General Management) -

• रोगी से दर्द की गंभीरता पूछकर नोट करनी चाहिए।

• तीव्र दर्द हो तो मोर्फिन सल्फेट I.V. मार्ग से देना चाहिए।

• घाव पर लंबे समय तक ड्रेसिंग करने से बचना चाहिए इससे नेक्रोसिस हो सकता है।

• रोगी को आरामदायक स्थिति में रखना चाहिए।

• रोगी व उसके परिजनों को मनोवैज्ञानिक सहारा प्रदान करना चाहिए।

Answer- Nursing Care -

1. Emergency Treatment

• The biological signs of the patient should be checked.

• To obtain information about the patient's burn.

• The patient's respiratory arrest should be recognized.

nursingyan.com

• O, using therapy.

• N.G. tube should be inserted.

• Intravenous fluids should be given.

• Catheter should be inserted.

2. Rehydration – To save the patient from dehydration, immediately give I.V. fluids should be given. I.V. Fluids should be calculated as follows-

Parkland Formula -

• Amount of fluid given in the first 24 hours = body burn (in percent) x 4 ml x body weight

• Half of the amount of fluid given in the first 24 hours, the other half in the first 8 hours and the remaining half in the remaining 16 hours.Should go.

• Amount of fluid to be given in the next 24 hours Burned body part (in percentage) x 0.5 ml x body weight

nursinggyan.com

• Half of this dose should be given in 8 hours and the other half should be given in the remaining 16 hours.

3. To prevent infection -

• The patient should be given antibiotics as per the doctor's orders.

• The patient should be vaccinated for tetanus.

• The wound is kept under water stream for proper cleaning.

• Dead tissues and skin should be removed systematically from the wound.

• Anti-microbial cream should be applied on the wounds of the patient.

4. General Management -

• The severity of pain should be asked and noted by the patient.

• If there is severe pain, give Morphine Sulphate I.V. Should be given through the route.

• Prolonged dressing of the wound should be avoided as it may cause necrosis.

nursingguan.com

• The patient should be kept in a comfortable position.

• Psychological support should be provided to the patient and his family.

Q. स्केबीज क्या है? इसके कारण, लक्षण, उपचार एवं नर्सिंग प्रबंधन लिखिए।

What is scabies? Write its causes, symptoms, treatment and nursing management.

उत्तर - खाज (Scabies)

यह त्वचा पर एक परजीवी itch mite के होने के कारण होने वाली गम्भीर खुजली की स्थिति है। Itch mite को sarcoptes scabiei hominis भी कहते हैं।

कारण (Causes) -

• खाज के रोगी से सम्पर्क

• अस्वच्छता

nursingguan.com

• पुराने कपड़े पहनना

• खाज के रोगी के कपड़ों का उपयोग

लक्षण (Clinical Features) -

• त्वचा से बाल गिरना (Hair loss)

• तेज खुजली होना (Itching)

• खुजली रात में तेज हो जाती है (Intensive itching at night)

• त्वचा पर लाल गांठे बनना (Erythematous nodules on skin)

• त्वचा छिलना (Skin excoriation)

• त्वचा में संक्रमण होना (Skin infection)

• बैचेनी (Restlessness)

• लक्षणों की उपस्थिति की जाँच

• Microscopical examination of skin

उपचार (Treatment)

1. रोगी को pediculicide cream apply करने के लिए कहते हैं जैसे- permethrin, lindane lotion

2. रोगी को skin ointments भी apply करने के लिए कहा जा सकता है जैसे- crotamiton cream, Y-Benzene hexachloride, benzyl

nursingyan.com

benzoate

3. खुजली अधिक तेज होने पर antipruitic emollients भी लगाए जाते हैं।

नर्सिंग प्रबंधन (Nursing Management) -

1. रोगी एवं उसके परिवार के सभी सदस्यों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करें।

2. परिवार के सभी सदस्यों को अपने बिस्तर को धूप में डालने की सलाह दें।

3. रोगी व उसके परिवारजनों को निर्देश दें कि अपने कपड़े जैसे तौलिया आदि एक बार उपयोग करके उन्हें अच्छी तरह धोकर व धूप में सुखाकर ही दोबारा उपयोग करें।

4. परिवार के सभी सदस्यों का इलाज एक साथ ही करें।

Answer - Scabies is a severe itching caused by the presence of a parasitic itch mite on the skin. The situation is. Itch mite is also called Sarcoptes scabiei hominis.

Causes -

- Contact with patients with pruritus
- Unsanitary
- wearing old clothes
- Use of clothes of scabies patient.

nursingyan.com

Symptoms (Clinical Features) -

• Hair loss from the skin

• Severe itching

• Itching intensifies at night (Intensive itching at night)

• Formation of red nodules on the skin (Erythematous nodules on the skin)

• Skin excoriation

• Skin infection

• Restlessness

Diagnosis -

• Physical examination

• Checking for presence of symptoms

• Microscopical examination of skin

Treatment

1. The patient is asked to apply pediculicide cream like- permethrin, lindane lotion.

nursinggyan.com

2. The patient may also be asked to apply skin ointments like- crotamiton cream, Y-Benzene hexachloride, phenyl benzoate.

3. Antipruitic emollients are also applied if the itching is severe

Nursing Management -

1. Provide health education to the patient and all his family members.

2. Advise all family members to place their beds in the sun.

3. Instruct the patient and his family members to use their clothes like towel etc. once and then use them again only after washing them thoroughly and drying them in the sun.

4. Treat all the family members together.

Q. एक्जिमा के बारे में लिखिए।

Write about eczema.

उत्तर- एक्जिमा (Eczema) -

एक्जिमा एक प्रकार का त्वचा का रोग है इस रोग को एटोपिक डर्मटाइटिस

nursingguan.com

भी कहते हैं।

लक्षण (Symptoms)

• क्रोनिक प्यूरीटिस (Chronic purities)

• इन्टरसेल्यूलर एडिमा (Intracellular edema)

कारण (Causes)

• अम्ल (Acid)

• क्षार (Alkali)

• पेनिसिलिन (Penicillin)

• स्ट्रेप्टोमायासिन (Streptomycin)

• लिपिस्टिक (Lipistic)

• नेल पेन्ट (Nail Paint)

• बाल रंगने वाली डाई (Hair Dye)

• पौधे (Plants)

• भोजन, दूध एवं अण्डे

• वातावरण-ताप, आर्द्रता, सूखापन आदि।

• आनुवांशिक

nursingyan.com

चिकित्सीय लक्षण (Clinical Symptoms)

• त्वचा का रंग लाल होना (Erythema)

• अत्यधिक खुजली (Itching)

• संधियों का प्रभावित होना (Joints effected)

• छोटे-छोटे पेप्यूल बनना (Formation minute papules)

• अंत में crust बनना (Oozing, crusing of lesions)

उपचार (Treatment)

1. लोशन (Lotion) -

क्रूड कोलतार (crude coaltar), स्टिरॉइड ऑइन्टमेन्ट (steroid ointment), ट्रिमसिनो लोन (trimcino lone), केलेमाइन लोशन (calamine lotion 5%)

2. दवाईयाँ (Drugs) -

एन्टीबायोटिक्स (antibiotics), स्टेरॉइड्स (steroids), एन्टीहिस्टेमिनिक (anti histaminic), सेडेटिव्स (sedatives)

Answer- Eczema –

nursingyan.com

Eczema is a type of skin disease, this disease is also called atopic dermatitis.

Symptoms

- Chronic purities
- Intracellular edema

Causes

- Acid
- Alkali
- Penicillin
- Streptomycin
- Lipistic
- Nail Paint
- Hair Dye
- Plants
- food, milk and eggs
- Environment-temperature, humidity, dryness, etc.
- genetic

nursinggyan.com

Clinical Symptoms

• Redness of skin (Erythema)

• Excessive itching

• Joints affected

• Formation of minute papules

• Oozing, crusing of lesions

Treatment

1. Lotion – crude coaltar, steroid ointment, trimcino lone, calamine lotion 5%

2. Medicines – antibiotics, steroids, antihistaminic, sedatives

Q. हर्पीज सिम्पलेक्स क्या है? इसके कारण, लक्षण, निदान, उपचार व बचाव लिखिए।

What is herpes simplex? Write its causes, symptoms, diagnosis, treatment and prevention.

उत्तर- हर्पीज सिम्पलेक्स (Herpes Simplex) -

हर्पीज सिम्पलेक्स त्वचा का एक संक्रामक रोग है जिसमें मुंह व गुप्तांगों (genitals) पर फुन्सियां हो जाती हैं

nursingguan.com

रोगकारक (Pathogens) -

Herpes simplex virus (HSV) इसका मुख्य कारण है।

रोग प्रसार (Transmission)-

मुंह, जननांगों, आंखों आदि के स्रावों से संपर्क होने से यह रोग फैलता है।

लक्षण (Symptoms)

- बुखार
- जुकाम
- होठों पर फुंसियों के झुंड
- शिश्न, योनि व मलाशय पर फुंसियों के झुंड
- फुंसियों में जलन
- क्षेत्रीय लसिका गांठें फूल जाना

nursingguan.com

निदान (Diagnosis) -

• Biopsy

• रक्त की जांच

उपचार (Treatment) -

1. रोगी को Antiviral drugs दी जाती हैं जैसे- famciclovir, acyclovir आदि।

2. Calamine lotion लगाने के लिए देना चाहिए।

3. यदि बुखार हो तो antipyretics देनी चाहिए जैसे- paracetamol

बचाव (Prevention)

1. मुंह व जननांगों की सफाई का विशेष ध्यान रखें।

2. Bicarbonate mouthwash से कुल्ला करना चाहिए।

3. एक-दूसरे के संपर्क से बचना चाहिए।

4. सुपाच्य व पोषणयुक्त भोजन लेना चाहिए।

Answer- Herpes Simplex –

Herpes Simplex is an infectious skin disease in which pimples appear on the mouth and genitals.

nursingguan.com

Pathogens – Herpes simplex virus (HSV) is its main cause.

Disease Transmission – This disease spreads due to contact with secretions from mouth, genitals, eyes etc.

Symptoms

- Fever
- Cold
- Clusters of pimples on the lips
- Clumps of pimples on penis, vagina and rectum
- Burning sensation in pimples
- Swelling of regional lymph nodes.

Diagnosis -

- Biopsy
- Blood test

Treatment -

1. Antiviral drugs are given to the patient like famciclovir,

nursingyan.com

acyclovir etc.

2. Calamine lotion should be applied.

3. If there is fever, antipyretics should be given like paracetamol.

Prevention

1. Take special care of cleaning the mouth and genitals.

2. Gargle with bicarbonate mouthwash.

3. Contact with each other should be avoided.

4. Easily digestible and nutritious food should be taken.

nursingguan.com